To SB

नई दिल्ली, मंगलवार, 22 फरवरी, 2011 www.dlamedia.com

डीएलए

देश की राजनीति की दिशा और दशा के बारे में सोचें : शांतनु

गाजियाबाद। एक तरफ जहां विद्यार्थियों का लक्ष्य करियर चुनना है और सफल उद्यमी, इंजीनियर, प्रबंधक बनना है, वहीं देश के विकास में सक्रिय भागीदारी को भी ध्यान में रखना है। युवाओं को देश की राजनीति दिशा और दशा के बारे में सोचना भी शुरू कर देना चाहिए। साहिबाबाद के इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कालेज में भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी शान्तनु भागवत ने छात्रों को संबोधित करने हुए उक्त विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि तीन सौ साल पहले भारत और चीन का सकल घरेलू उत्पादन मिलाकर दुनिया का आधा था। आज यह मात्र तीन या चार प्रतिशत रह गया है। एक तरफ जहां विकास की बात की जा रही है वहीं गरीबी की रेखा से नीचे वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि युवा वर्ग अधिक जानकार बनें। इसके लिए इंटरनेट की साइट्स पर जाना होगा। वर्तमान को कोसना नहीं, भविष्य से भी जुड़ना होगा। संस्थान के चेयरमैन अतुल गर्ग ने कहा कि हमें जातिवाद से ऊपर उठना होगा। इस अवसर पर प्रोफेसर आरपी सक्सैना, आरके बस्सी आदि भी उपस्थित थे।